

॥ आरती श्री कृष्ण जी की ॥
□ Aarti Shri Krishan Ji Ki □

ॐ जय श्री कृष्ण हरे, प्रभु जय श्री कृष्ण हरे ।
भक्तन के दुख टारे पल में दूर करे ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी ।
जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

कर कंचन कटि कंचन श्रुति कुंडल माला ।
मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

दीन सुदामा तारे, दरिद्र दुख टारे ।
जग के फ़ंद छुड़ाए, भव सागर तारे ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

हिरण्यकश्यप संहारे नरहरि रूप धरे ।
पाहन से प्रभु प्रगटे जन के बीच पड़े ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

केशी कंस विदारे नर कूबेर तारे ।
दामोदर छवि सुन्दर भगतन रखवारे ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

काली नाग नथैया नटवर छवि सोहे ।
फ़न फ़न चढ़त ही नागन, नागन मन मोहे ॥
जय जय श्री कृष्ण हरे....

॥ इति आरती श्रीकृष्ण सम्पूर्णम् ॥